



http://www.igau.edu.in  
http://www.igau.nic.in

नाम

{ मृत्तुसूची विषय पर, संस्कृत  
सूची के लिए आरक्षण



(Project sponsored by IMD, MoES, New Delhi)



0771-2442557

Patron: Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor  
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary

Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar

Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das  
Research Associate: Sanjay Bhelawe

**Advisory Committee:** Agrometeorology- Dr. Harsh Vardhan Puranik, Entomology-Dr. Sanjay Sharma, Dr. V.K. Dubey  
Horticulture-Dr. H.G. Sharma; Dr. G.D. Sahu Plant Pathology- Dr. N. Lakpale, Dr. H.K. Singh, Veg. Science-Dr. G.L. Sharma, Dr. Gaurav Sharma  
Agronomy - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar Animal Science - Dr. (smt.) N. Kerketta, FMP - Er. R.K. Naik, SWE-Er. Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक: 90

दिनांक

21.11.2017

मौसम पूर्वानुमान: (बालोद जिले के लिए)

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind	
								Speed	Direction
BALOD	22.11.2017	0	30	17	1	75	50	4	NE
BALOD	23.11.2017	0	30	17	0	75	50	4	NE
BALOD	24.11.2017	0	29	17	0	75	50	3	NE
BALOD	25.11.2017	0	29	16	1	75	50	3	NE
BALOD	26.11.2017	0	29	16	1	75	50	3	NE

### मौसम आधारित कृषि सलाह

#### सामान्य

1. धान कटाई के उपरान्त संचित नमी के उपयोग हेतु जीरो सीड ड्रिल द्वारा फसलों की बुवाई करें।
2. खेत खाली होने पर रबी फसल की बुआई हेतु खेत तैयार करें एवं चना, कुसुम, अलसी एवं मसूर की समय पर बुवाई करें।
3. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
4. उथली जुताई हेतु रोटोवेटर का प्रयोग कर समय एवं ईंधन की बचत करें।
5. छोटे किसान बैल चलित भोरमदेव सीडड्रिल का प्रयोग कर चने की कतार बोनी कर सकते हैं।

#### सब्जियों

1. सब्जियों के बीज को बुवाई से पूर्व मेटालेक्सील दवा 1 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
2. 20 फिरोमेन ट्रेप प्रति हेक्टेयर प्रयोग कर भटा, टमाटर एवं भिंडी फसल में भेदक कीट का नियंत्रण करें।

#### फल

1. पुराने आंवले के पेड़ में पुनः उद्धारण हेतु 1 मीटर की ऊंचाई से कटाई एवं छटाई करें।
2. नीबूवर्गीय वृक्षों में बोरेक्स 100 ग्राम प्रति पौध एवं मैग्नीशियम सल्फेट 80 ग्राम प्रति पौध डालकर जड़ों की गुड़ाई करें।
3. फलदार उद्यान में सिंचाई की टपक पद्धति का उपयोग कर जल की उपयोगिता बढ़ा सकते हैं।

### पशुपालन

1. नवजात बछड़ों मेमनों आदि को ठंड से बचाव हेतु फर्श पर पैरा का गहरा बिछावन बिछाये एवं छत वाले बाड़े में रात को रखें।
2. बहुवार्षिक चारा फसल की कटाई कर ले एवं अतिरिक्त मात्रा का संग्रहण कर रखे।
3. इस माह के अंत तक बरसीम की बुवाई अवश्य कर लें ।